गूँगी किताब

-हैन्स एन्डरसन

जंगल में बड़ी सड़क के पास एक किसान की झोपड़ी थी। सड़क उसके खेत से होकर ही गुजरती थी। सूरज चमक रहा था और सारी खिड़कियाँ खुली थीं। घर के भीतर चहल-पहल थी, लेकिन बगीचे में फूली हुई बेर की झाड़ी के बीच एक खुला ताबूत रखा था। इसमें एक मृत व्यक्ति था जिसे आज सुबह दफनाया जाना था। कोई भी ताबूत के पास खड़े होकर मृत व्यक्ति को दुख से नहीं देख रहा था। कोई भी उसके लिए आँसू नहीं बहा रहा था। उसका मुँह एक सफेद कपड़े से ढका था और उसके सिर के नीचे एक बड़ी मोटी किताब रखी थी जिसके पन्ने स्याही-सोख कागज के थे और हर पन्ने पर एक सूखा फूल लगा हुआ था। यह फूल-पौधों का एलबम था, जिसके फूलों को उसने जगह-जगह से इकट्ठा किया था। इसे उसके साथ दफनाया जाना था। क्योंकि उसकी ऐसी ही इच्छा थी। हर फूल के साथ उसके जीवन का एक हिस्सा जुड़ा हुआ था।

"यह मरने वाला कौन है? उसने पूछा और जवाब था, "बूढ़ा विद्यार्थी।" कहते हैं कि एक समय में वह एक तेज़ और फुर्तीला युवक था जो पुरानी भाषाएँ पढ़ता था, गाता था और यहाँ तक कि कविताएँ भी लि खता था। लेकिन अचानक उसे कुछ हुआ और वह खूब शराब पीने लगा। और जब आखिर में उसकी सेहत खराब हो गयी तो वह यहाँ गाँव में आ गया जहाँ पता नहीं कौन उसके रहने और खाने-पीने का खर्च उठाता था। उसका स्वभाव बच्चों जैसा सरल था। लेकिन कभी-कभी उसकी तबीयत खराब हो जाती थी और वह राक्षस जैसा हो उठता था। वह जंगलों में शिकार किये जाने वाले हिरण की तरह दौड़ता रहता था। लेकिन फिर जब वह घर वापस जाता तो अपनी यह सूखे पौधों वाली किताब खोलकर अक्सर पूरे दिन भर बैठा रहता। कभी किसी फूल तो कभी किसी पौधे को देखता रहता था। कभी-कभी उसके गालों पर आँसू भी बहते थे। भगवान ही जानता था कि वह क्या सोचता था। लेकिन उसने हमसे किताब को ताबूत में रखने की प्रार्थना की थी। थोड़ी देर में ढक्कन बन्द करके कीलें ठोंक दी जायेंगी और वह शान्ति से अपनी कब्र में आराम करोगा।

मुँह का कपड़ा उठाया गया तो देखा उसके चेहरे पर शान्ति है। वहाँ एक सूरज की किरण खेल रही

थी। एक चिड़िया तीर की तरह पेड़ों की ओर उड़ी और तेजी से वापस आकर मृत व्यक्ति के सिर के ऊपर आकर चहचहाने लगी।

यह कितना अजीब अनुभव था-और हम सभी ने इसे महसूस किया था कि कैसे हमारी युवावस्था के दिन अन्त में बुढ़ापे में बदल जाते हैं। फिर एक नया जीवन अपनी सभी उम्मीदें और सुख-दुख लेकर आता है। कितने ही व्यक्ति जिनके साथ उन दिनों हमारे बहुत अच्छे सम्बन्ध थे, आज हमारे लिए मृत जैसे हैं। और यदि वे जीवित भी हों तो क्या? हमने तो एक लम्बे समय से उनके बारे में नहीं सोचा जिनके साथ हमने उम्र भर रहने का वादा किया था। उनके साथ, जिनके साथ हमने दुख सुख बाँटने की कसमें खाई थीं।

यहाँ मुरझायी हुई शाहबलूत की पत्ती उसे एक दोस्त की याद दिलाती थी-उसके स्कूल के दोस्त की, जो उनके जीवन भर का साथी होने वाला था। हरे हरे जंगल में उसने यह पत्ती अपने साथी की टोपी में बाँध दी थी। तब 'जीवन भर' साथ निभाने का वादा किया गया था। अब वह कहाँ रहता है? पत्ती अभी तक सुरक्षित है लेकिन दोस्ती खत्म हो गयी! यह एक विदेशी गर्म क्षेत्र का पेड़ है जो कि उत्तरी क्षेत्र के बगीचों के लिए बहत नाजुक है। इसकी पत्तियों की खुशबू अभी तक है। इसे भद्र व्यक्ति के बगीचे में रहने वाली एक लड़की ने दिया था। यह कमलिनी है जिसे उसने खुद तोड़ा था और खारे आँसुओं में भिगो दिया था-उस मीठे पानी की कम. लिनी को। और यह नेटल का वृक्ष है-इसकी पत्तियाँ क्या कहानी कहती हैं? जब उसने इसने तोड़ा और रखा था तो वह क्या सोच रहा था? यह घने एकान्त जंगल की तितली है। यह शराबखाने के गुलदस्ते का सदाबहार फूल है और यह घास की एक धारदार पत्ती है।

फूले हुए बेर ने अपने ताज़े खुशबूदार फूल मृत व्यक्ति के सिर पर गिराए और चिड़िया उड़ गयी। वापस उड़ी। "पी-विट!" और तभी लोग कीलें और हथौड़े लेकर आ गये और ताबूत का ढक्कन बन्द कर दिया गया। उसका सिर उस गूँगी किताब पर रखा था जो अन्त में नष्ट होकर बिखर जाने वाली थी।